भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.02.2026 के
तारांकित प्रश्न सं. 174 का उत्तर

सावल्यापुरम से बापतला के बीच नई रेलवे लाइन

***174. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को आंध्र प्रदेश में सावल्यापुरम और बापतला को जोड़ने वाली नई रेल लाइन के निर्माण के लिए कोई प्रस्ताव/अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और उक्त प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार गुंटूर-विजयवाड़ा रेल खंड पर भीड़-भाड़ कम करने और बेंगलुरू, हैदराबाद, चेन्नई और पूर्वी तटीय क्षेत्र के बीच संपर्क में सुधार करने की इसकी क्षमता पर विचार करते हुए सावल्यापुरम-बापतला रेल लाइन के लिए व्यवहार्यता सर्वेक्षण शुरू करने/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने प्रस्तावित लाइन की विशेष रूप से कृषि उत्पाद, खनिज परिवहन और कोटप्पाकोंडा (श्री त्रिकोटेश्वर स्वामी मंदिर) की तीर्थयात्रा के लिए आर्थिक, मालभाड़ा, पर्यटन और यात्री संभाव्यता का आकलन किया है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस परियोजना पर आगे की कार्रवाई शुरू करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.02.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 174 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): सावल्यपुरम और बापट्ला पहले ही गुंटूर और तेनाली के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

गुंटूर-विजयवाड़ा दोहरी लाइन खंड को विसंकुलित करने और इस क्षेत्र में संपर्कता में सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गई हैं:

परियोजना का नाम	लागत (करोड़ में)	वर्तमान स्थिति
एरूपालेम-अमरावती-नंबुरु नई लाइन (57 किलोमीटर)	2,047	परियोजना को स्वीकृति दे दी गई है और भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
कोटिपल्लि-नरसापुर नई लाइन (57 किलोमीटर)	2,120	परियोजना को स्वीकृति दे दी गई है और भूमि अधिग्रहण तथा महत्वपूर्ण पुलों पर कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
गुंटूर-बीबीनगर दोहरीकरण (239 किलोमीटर)	2,853	परियोजना को स्वीकृति दे दी गई है और कार्य शुरू कर दिया गया है।
गुंटूर-गुंतकल दोहरीकरण (401 किलोमीटर)	4,306	अब तक, 357 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और शेष खंड पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
गुंटूर यार्ड की मल्टीट्रैकिंग और संपर्कता (8 किलोमीटर)	147	हाल ही में, परियोजना को स्वीकृति दे दी गई है।

कोटप्पाकोंडा स्टेशन नरसरावपेट रेलवे स्टेशन से लगभग 11 किलोमीटर दूर है, जो शहर और आसपास के क्षेत्र के लिए परिवहन केंद्र के रूप में कार्य करता है।

इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में संपर्कता में सुधार लाने के लिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु निम्नलिखित सर्वेक्षणों को स्वीकृत किया गया है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम
1	विजयवाड़ा के रास्ते बल्हारशाह-गुडूर चौथी लाइन (745 किलोमीटर)
2	विजयवाड़ा-एलूरु तीसरी और चौथी लाइन (120 किलोमीटर)
3	विजयवाड़ा को बाईपास करते हुए गुडिवाड़ा-तेनाली (49 किलोमीटर)
4	नल्लापाडु रेल ओवर रेल (आरओआर) फ्लाईओवर (31 किलोमीटर)

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात्, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और अपेक्षित अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृति देना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि की मांगों तथा रेलवे की अपनी आवश्यकताओं के आधार पर रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर, अन्य बातों के साथ-साथ, देश भर में रेल परियोजनाओं/निर्माण कार्यों हेतु औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों प्रकार के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे प्रस्तावों/शिकायतों/सुझावों की प्राप्ति एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, अतः ऐसे अनुरोधों का कोई केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है। बहरहाल, इनकी जांच की जाती है और व्यवहार्य तथा उचित पाए जाने पर समय-समय पर कार्रवाई की जाती है।

आंध्र प्रदेश:

हाल के वर्षों में, बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-2014	₹886 करोड़ प्रतिवर्ष (तेलंगाना सहित)
2025-2026	₹9,417 करोड़ (10 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	363 किलोमीटर	72.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	1,582 किलोमीटर	143.8 किलोमीटर प्रतिवर्ष (लगभग 2 गुना)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, आंध्र प्रदेश में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 4,499 किलोमीटर लंबाई तथा ₹70,232 करोड़ लागत वाली 39 परियोजनाओं (12 नई लाइनें और 27 दोहरीकरण) को स्वीकृति दे दी गई है, जिनमें से मार्च 2025 तक 1,178 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और ₹28,039 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है। कार्य की स्थिति का सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर)	मार्च 2025 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ में)
नई लाइनें	12	1595	199	6,413
बहुपथन/दोहरीकरण	27	2904	979	21,626
कुल	39	4,499	1,178	28,039

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ में)
1	विजयवाड़ा-गुडिवाड़ा-भीमावरम-नरसापुर, गुडीवाड़ा-मचिलीपट्टणम और भीमावरम-निडदावोलू दोहरीकरण (221 किलोमीटर)	4,688
2	गुंटूर- तेनाली दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	205
3	नंदयाल-यर्रगुंटला नई लाइन (126 किलोमीटर)	1,050
4	जग्गय्यापेटा-मेलचेरुवु-जनपहाड़ नई लाइन (48 किलोमीटर)	737
5	ओबुलवारिपल्लि-कृष्णापट्टनम नई लाइन (113 किलोमीटर)	2,300
6	विजयनगरम-कोत्तवलसा तीसरी लाइन (35 किलोमीटर)	285

7	रायचूर-गुंतकल दोहरीकरण (81 किलोमीटर)	388
8	गुंतकल-कल्लुरु दोहरीकरण (41 किलोमीटर)	410
9	येलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,104
10	गूटी-धर्मावरम दोहरीकरण (90 किलोमीटर)	1,800

आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिनका कार्य शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ में)
1	कोटिपल्ली-नरसापुर नई लाइन (57 किलोमीटर)	2,120
2	नाडिकुडि-श्रीकालहस्ती नई लाइन (309 किलोमीटर)	3,122
3	रायदुर्ग-कल्याणदुर्ग-तुमकुर नई लाइन (207 किलोमीटर)	2,496
4	मारिकुप्पम-कुप्पम नई लाइन (24 किलोमीटर)	297
5	मालुगुर-पलासमुद्रम नई लाइन (18 किलोमीटर)	342
6	मलकानगिरी- भद्राचलम-पांडुरंगपुरम नई लाइन (174 किलोमीटर)	3,592
7	एरुपालेम-अमरावती- नंबुरु नई लाइन (57 किलोमीटर)	2,047
8	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 किलोमीटर)	2,500
9	विजयवाड़ा-गुडूर तीसरी लाइन (287 किलोमीटर)	6,509
10	गुंतकल-गुंटूर दोहरीकरण (401 किलोमीटर)	4,306
11	पेनुकोंडा-धर्मवर्मा दोहरीकरण (42 किलोमीटर)	308
12	गूटी-पेंडेकल्लू दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	352
13	दुव्वाडा-उत्तर सिम्हाचलम तीसरी और चौथी लाइन (21 किलोमीटर)	356
14	कोत्तवलसा-विजयनगरम चौथी लाइन (35 किलोमीटर)	493
15	गूडूर-रेणिगुंटा तीसरी लाइन (83 किलोमीटर)	877
16	निर्गुण्डि-पलासा- विजयनगरम तीसरी लाइन (385 किलोमीटर)	4,963

इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, आंध्र प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 6,985 किलोमीटर कुल लंबाई वाले 65 सर्वेक्षण (15 नई लाइनें, 50 दोहरीकरण) शुरू किए गए हैं। इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जो गुंटूर-विजयवाड़ा खंड को विसंकुलित करने और इस क्षेत्र में संपर्कता को सुधारने में सहायता करेंगी।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम गंतव्य स्थान पहुंच संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****